# प्रेमपुष्पोपहार

अर्थात्

## नागरी भाषा सम्बन्धिनी
## एक मनोहारिणी कविता

(जो १९ वीं फरवरी १९०४ को काशी ना० प्र० सभा
में पढ़ी गई)

पण्डित अयोध्या सिंह उपाध्याय
(हरिऔध) कृत.

पटना—"खड्गविलास"-प्रेस बांकीपुर।
चण्डीप्रसाद सिंह द्वारा मुद्रित और प्रकाशित।
१९०४